हरिभूमि
भिवानी-दादरी भूमि
रोहतक, शनिवार, 5 अप्रैल 2025

13 रेडिनेस कार्यक्रम में छात्राओं को सिखाए ...

14 कर्मियों की 24 घंटे की भूख हड़ताल समाप्त...

HURRY UP ! Limited Seats
NEET JEE NTSE
NDA MNS AIRFORCE
★Free Doubt Class ★AC Class Rooms
★Free Extra Class ★Join H.D. for Success
★No Tuition No Tension ★Direct Bus Service From Ch. Dadri
FREE DEMO Classes
Science (Medical, Non-Medical) Commerce, Arts
H.D. Public School Birohar
A Co-Education English Medium | C.B.S.E Affiliated Sr. Sec. School
Admission Open Nur. to 9th & 11th
For Session 2025-26
M. 8059923555, 8607128682

खबर संक्षेप

शिव मंदिर के दानपात्र पर चोरों ने हाथ साफ किया

बवानीखेड़ा। बाबा कमाल मंदिर में स्थापित शिव मंदिर के दान पात्र पर चोरों ने हाथ साफ कर दिया। दानपात्र चोरी करने से पहले मुख्य द्वार के ताले को तोड़ा गया फिर उसके बाद मंदिर में जाकर दानपात्र के ताले को तोड़कर हजारों की नकदी पर हाथ साफ किया गया। जिसकी शिकायत मंदिर के पंडित द्वारा पुलिस में दी गई। पंडित अविनाश कुमार ने बताया कि दानपात्र में लगभग 8 से 10 हजार रुपये की नकदी चोरी हुई है। इससे पहले भी चोरों द्वारा चोरी की वारदात को अंजाम दिया था। वहीं उन्होंने बताया कि इसके बारे में समिति द्वारा बैठक करके कोई ठोस निर्णय लिया जाएगा।

महाराजा शूरसैनी की शोभायात्रा आज

भिवानी। महंत चरणदास महाराज को निमंत्रण पत्र सौंपते सैनी कल्याण परिषद के प्रधान भूपसिंह सैनी व अन्य।

भिवानी। सैनी कल्याण परिषद के प्रधान भूपसिंह सैनी ने बताया कि सैनी समाज द्वारा पांच अप्रैल को महाराजा शूरसैनी की शोभायात्रा निकाली जाएगी। शोभायात्रा में देश एवं समाज के महापुरूषों की झांकियां एवं नृत्य नाटिका की प्रस्तुति दी जाएगी। शोभायात्रा दोपहर तीन बजे हनुमान ढाणी स्थित सैनी धर्मशाला से आरंभ होकर शहर के मुख्य मार्गों से होते हुए नेहरू पार्क के सामने स्थित सैनी धर्मशाला में पहुंचेगी, जहां पर यात्रा का समापन होगा। शोभायात्रा में महंत डॉ. अशोक गिरी व महंत चरणदास महाराज का सानिध्य रहेगा। इस मौके पर मुख्यतिथि के रूप में विधायक घनश्यामदास सर्राफ, नप चेयरमैन प्रतिनिधि भवानी प्रताप सिंह उपस्थित होंगे।

देवसर मां भवानी का मेला आज, भोजावाली देवी व मां दुर्गा मंदिर में कल , श्रद्धालुओं की उमड़ेगी भीड़

देवी माता के दर्शन कर श्रद्धालु परिवार की सुख-समृद्धि एवं उन्नति की करेंगे कामना, पुलिस प्रशासन की ली जाएगी सहायता

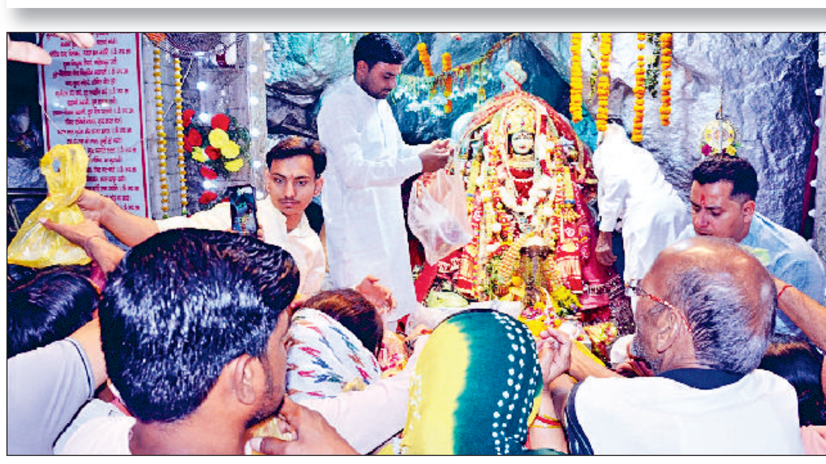

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिवानी

भिवानी शहर से करीब पांच किलोमीटर दूर पहाड़ी पर स्थित देवसर वाली मां भवानी मंदिर में चार अप्रैल शुक्रवार रात्रि सप्तमी व शनिवार पांच अप्रैल को अष्टमी के दिन मेला लगेगा। वहीं दुर्गा कॉलोनी फाटक पार स्थित मां दुर्गा मंदिर व नया बाजार स्थित भोजावाली देवी माता मंदिर में रविवार छह अप्रैल नौवीं के दिन मेला लगेगा, जिसमें दूर-दूर से श्रद्धालु माता के दर्शनों के लिए पहुंचेंगे और माता रानी के दर्शन कर परिवार की सुख-समृद्धि एवं उन्नति की कामना करेंगे। तीनों मंदिर में लगने वाले मेले की मंदिर कमेटी एवं श्रद्धालुओं ने तैयारियां पूर्ण कर ली हैं, ताकि श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की असुविधा न हो और श्रद्धालुगण माता रानी के अच्छी प्रकार से दर्शन कर सकें। माता के दर्शन के लिए मंदिर में व्यवस्था बनाने के लिए सेवकों के साथ साथ पुलिस प्रशासन की भी सहायता ली जाएगी।

दूर-दूर से आते हैं श्रद्धालु

उल्लेखनीय हैं कि नवरात्रों में छह माह में माता रानी का मेला लगता हैं, जिसमें भारी भीड़ उमड़ती हैं। नवरात्रों में नौ दिन तक जहां श्रद्धालुओं का तांता लगा रहता हैं। पहाड़ी पर स्थित देवसर मां भवानी मंदिर में सप्तमी रात्रि एवं अष्टमी को धोत लगती हैं, जिस अनुसार दूर-दूर से श्रद्धालु माता के दर्शनों के लिए पहुंचते हैं। मंदिरों में सैंकड़ों की संख्या में श्रद्धालुओं द्वारा अखंड ज्योत जलाई जाती हैं, जिसकी देखरेख मंदिर के सेवक करते हैं। वहीं दुर्गा कॉलोनी स्थित मां दुर्गा मंदिर व नया बाजार स्थित भोजावाली देवी माता में रविवार नौवीं के दिन मेला लगता हैं, जिसमें बहुत अधिक संख्या में श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ती हैं। मंदिर में सजा मां का सुंदर दरबार के दर्शन करके श्रद्धालु आनंदित हो जाते हैं। श्रद्धालुगण माता रानी के दर्शन कर परिवार की सुख-समृद्धि एवं उन्नति की कामना करते हैं। मंदिर में लगने वाले मेले की मंदिर कमेटी एवं सेवकों ने तैयारियां पूर्ण कर ली हैं, ताकि श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की असुविधा न हो और श्रद्धालु माता रानी के अच्छी प्रकार से दर्शन करके मां से कामना कर सकें। माता के दर्शन के लिए मंदिर में व्यवस्था बनाने के लिए सेवकों के साथ साथ पुलिस प्रशासन की भी सहायता ली जाएगी। पुलिस प्रशासन ने भी मेले को लेकर खास तैयारी की है। व्यवस्था बनाए रखने के लिए श्रद्धालुओं पर नजर रखी जाएगी। वैसे तो नवरात्रों में नौ दिनों तक मां के भक्तों का मंदिरों में तांता लगता हैं, लेकिन मेले वाले दिन मां के दर्शनों का खास मौका कोई अपने हाथ से नहीं जाने देना चाहते और मां के दर्शन करके परिवार की सुख-समृद्ध एवं उन्नति की कामना के साथ अगले नवरात्रों में फिर से आने की माता से कामना करते हैं।

भिवानी। देवसर मां भवानी का सजा दरबार, भोजावाली देवी माता मंदिर सजा माता का दरबार और मां दुर्गा मंदिर में सजा माता का दरबार। फोटो : हरिभूमि

व्यवस्था बनाने के लिए मंदिर के सेवक व पुलिस की व्यवस्था

मंदिरों में माता रानी के दर्शनों के लिए मंदिर के सेवकों व पुलिस की व्यवस्था रहती हैं, ताकि किसी प्रकार की धक्का मुक्की न हो और आसानी से सभी श्रद्धालु माता रानी के दर्शन कर सकें। वहीं मेले में भारी भीड़ होने के चलते चैन स्नैचिंग की घटनाएं भी ज्यादा होती हैं, जिस पर काबू पाने के लिए भी सेवाधार व पुलिस निगरानी रखती हैं। वहीं मंदिरों में भीड़ पर निगरानी रखने के लिए सीसीटीवी कैमरे भी लगे हुए हैं, ताकि किसी प्रकार की कोई घटना न घटे।

मां कालरात्रि की पूजा-अर्चना की

श्रद्धालुओं ने घरों व मंदिरों में सप्तमी चार अप्रैल शुक्रवार को मां कालरात्रि की पूजा-अर्चना की। वहीं पांच अप्रैल अष्टमी को मां महागौरी व रविवार नौवीं के दिन मां सिद्धिदात्री की पूजा-अर्चना की जाएगी। मंदिरों में नवरात्रों में भक्तों ने मां की आराधना की और मंदिरों में मां के जयकारे गूंजते रहे। नौ दिनों में मां के नौ रूपों की अराधना की। श्रद्धालुओं द्वारा लाल रंग की चुन्नी सहित नारियल व लड्डू का प्रसाद चढ़ाया जाता है।

मंदिर में चलता हैं भंडारा

देवसर मां भवानी मंदिर में मंदिर कमेटी द्वारा भंडारा लगाया जाता हैं, जिसमें श्रद्धाल प्रसाद ग्रहण करते हैं। वहीं अनेक श्रद्धालु सेवा स्वरूप भंडारा लगाते हैं, जिसमें श्रद्धालु प्रसाद ग्रहण करते हैं। माता को चढ़ाने के लिए मंदिर के बाहर प्रसाद की स्टॉल लगी हुई हैं, जहां से श्रद्धालु प्रसाद लेकर माता के समक्ष चढ़ाकर मन्नतें मांगते हैं। माता रानी के दर्शनों के लिए बहुत से श्रद्धालु पेट पिलानी चलकर जाते हैं और मन्नतें मांगते हैं या फिर जिस श्रद्धालु की मन्नत पूरी हो जाती हैं, वह पेट के बल चलकर मां के दर्शन करने पहुंचता हैं। जो श्रद्धालु पेट पिलानी चलकर जाता हैं, सबसे पहले उन्हें रास्ता देकर मत्था टिकावाया जाता हैं। बच्चों के बाल कटवाकर माता रानी पर चढ़ाए जाते हैं।

एसपी ने साइक्लोथॉन यात्रा के रूट का किया निरीक्षण

हरिभूमि न्यूज ▶▶| चरखी दादरी

नशे के खिलाफ जागरूकता फैलाने के लिए साइक्लोथॉन 2.0 रैली का आगाज 5 अप्रैल से हिसार से होगा। शुक्रवार को पुलिस अधीक्षक अर्श वर्मा चरखी दादरी ने साइक्लोथॉन रैली के निर्धारित रुट बाढड़ा, अटेला, शहर व चिड़िया का निरीक्षण किया व सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया।

जिले में रैली में शामिल लोगों के लिए रात्रि ठहराव के निर्धारित स्थान पर व्यवस्था की जांच की। उन्होंने अधिकारिंयों को निर्देश दिए कि किसी भी कमी को समय पर दूर किया जाए, ताकि रैली निर्बाध और सुरक्षित रूप से संपन्न हो सके। पुलिस प्रवक्ता योगेश कुमार ने बताया कि 6 अप्रैल को जीतपुरा बॉर्डर से जिले में प्रवेश करने वाली यह रैली बाढ़ड़ा, अटेला, शहर दादरी और चिड़िया होते हुए जिला महेंद्रगढ़ में प्रवेश करेगी। रैली के दौरान सुरक्षा व्यवस्था का पूर्ण ध्यान रखा जाएगा। दादरी पुलिस इस रैली को बिना किसी रुकावट के चलने में पूरा सहयोग करेगी। रैली के दौरान उन गांवों को कवर किया जाएगा, जिन्हें नशा मुक्त घोषित किया गया है।

7 अप्रैल को साइक्लोथॉन रैली दादरी से चिड़िया और बाघोत के रास्ते महेंद्रगढ़ में प्रवेश करेगी। उन्होंने कहा कि अगर कोई भी इस महा नशामुक्ति अभियान का हिस्सा बनना चाहते है तो हरियाणा उदय पोर्टल पर अपना पंजीकरण करवाएं। इस रैली का हिस्सा बनकर आप न केवल अपने स्वास्थ्य को बेहतर बनाएंगे, बल्कि अपने समाज में नशे के खिलाफ एक सकारात्मक बदलाव लाने का भी काम करेंगे।

हम सबका सांझा सपना- नशा मुक्त हो हरियाणा अपना संदेश लेकर आज पहुंचेगी साइक्लोथॉन

भिवानी। साइक्लोथॉन यात्रा के जिला नोडल अधिकारी महेश कुमार ने साइक्लोथॉन को लेकर उपमंडल स्तर पर अधिकारियों को नोडल अधिकारी नियुक्त कर अलग-अलग कार्य के लिए जिम्मेवारी सौंपी है। उन्होंने निर्देश दिए हैं कि यात्रा के दौरान किसी प्रकार की कोई कमी न नोडल अधिकारी महेश कुमार ने निर्देश देते हुए बताया कि हम सबका सांझा सपना- नशा मुक्त हो हरियाणा अपना के संदेश के साथ यह साइक्लोथॉन यात्रा पांच अप्रैल को जिले के गांव रतेरा में प्रवेश करेगी।

संतुलन बिगड़ने से गाड़ी पलटी तीन घायल, डायल 112 की टीम पहुंची

बवानीखेड़ा। कस्बे से 6 किलोमीटर दूर स्थित भिवानी -हांसी मुख्य मार्ग से बड़सी की ओर लिंक मार्ग पर शुक्रवार दोपहर बड़सी से बवानी खेड़ा की ओर आ रही गाड़ी का संतुलन बिगड़ गया जिस गाड़ी ने अनेक पलटे खाए तथा उसमें सवार तीन व्यक्ति गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना की सूचना राहगीरों ने डायल 112 पर दी।

सूचना मिलते ही डायल 112 की टीम जिसमें टीम ईंचार्ज एचसी जितेंद्र सिंह व अस पी ओ भूपेंद्र सिंह ने घटनास्थल पर पहुंचकर घायलों को गाड़ी से बाहर निकाला तथा उन्हें हांसी के नागरिक अस्पताल पहुंचाया। जानकारी देते हुए जितेंद्र सिंह ने बताया कि उन्हें 112 पर सूचना मिली थी कि बड़सी मार्ग पर एक गाड़ी का संतुलन बिगड़ने से गाड़ी पलट गई है तथा उसमें सवार तीन व्यक्ति गंभीर रूप से घायल हो गए हैं। सूचना मिलते ही वह कुछ मिनट में उनके पास पहुंचे तथा दुर्घटनाग्रस्त गाड़ी से तीनों को निकाल अस्पताल पहुंचाया।

भिवानी। शव मिलने के बाद जांच करती टीम। फोटो : हरिभूमि

अस्पताल के सामने गाड़ी में मिला महिला कर्मचारी का शव

हरिभूमि न्यूज ▶▶| चरखी दादरी

- ससुराल पक्ष पर हत्या का मामला दर्ज, पैर की ऊंगली और अंगूठा जला मिला

दादरी निवासी महिला क्लर्क की ससुराल पक्ष के लोगों ने हत्या कर दी। महिला का शव अस्पताल के सामने एक गाड़ी में मिला। मृतका के मायके पक्ष को जब पता लगा तो मौके पर पहुंचे और गाड़ी का शीशा तोड़कर शव को बाहर निकाला। पुलिस ने मृतका के पिता की शिकायत पर चार लोगों पर हत्या का मामला दर्ज कर लिया है।

शहर के घीकाड़ा रोड निवासी जगबीर ने बताया कि उसकी बेटी प्रीति की बस स्टैंड रोड सामने कालोनी निवासी आशीष से लव मैरिज हुई थी। प्रीति लोक निर्माण विभाग में क्लर्क थी। जिसकी ड्यूटी दादरी विश्राम गृह में थी। जगबीर ने आरोप लगाया कि बीती रात ससुराल पक्ष के लोगों ने प्रीति की करंट लगाकर हत्या कर दी। प्रीति के पैर की उंगली और अंगूठा जला हुआ है। वहीं ससुराल पक्ष के लोग फांसी लगाकर आत्म हत्या की बात कह रहे हैं। मायके पक्ष ने आरोप लगाया कि प्रीति की साजिश के तहत हत्या की गई है। उन्होंने बताया कि आशीष कोई काम धंधा नहीं करता था और प्रीति पर रुपयों के लिए दबाव बनाता था।

5 बजे फोन पर हुई बात: जगबीर ने बताया कि प्रीति कल 5 बजे ड्यूटी से आई थी। उस वक्त वह सब ठीक बता रही थी, लेकिन रात 11 बजे हत्या का सूचना मिली। जब वे अस्पताल पहुंचे तो प्रीति का शव गाड़ी में था वहां पर ससुराल पक्ष का कोई भी व्यक्ति नहीं मिला। हेड क्वार्टर डीएसपी धीरज कुमार ने बताया कि सूचना मिलने के बाद पुलिस और एफएसएल टीम ने मौके का निरीक्षण किया और साक्ष्य जुटाए। प्रीति के पिता की शिकायत पर 4 पर मामला दर्ज किया गया है।

हर साल एडमिशन फीस या सुविधा शुल्क वसूलने को लेकर जताई नाराजगी

स्कूलों की मनमानी पर लगाम लगाने को सौंपा ज्ञापन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिवानी

प्रदेश में निजी स्कूलों द्वारा किताबें और यूनिफॉर्म केवल चुनिंदा दुकानों से ही बिकवाने, हर साल अभिभावकों से बच्चों के पंजीकरण शुल्क, सुविधा शुल्क या एडमिशन फीस के नाम पर 10 से 15 हजार रुपये वसूलने को लेकर रोष जताया और मुख्यमंत्री के नाम एसडीएम महेश कुमार को ज्ञापन सौंपकर कड़ी कार्रवाई करने की मांग की।

संगठनों ने निजी स्कूल संचालकों की मनमानी से अभिभावकों पर पड़ने वाले अनावश्यक आर्थिक बोझ का विरोध किया। विभिन्न सामाजिक संगठनों नवदुर्गा सेवा सहयोग संस्था के संस्थापक सुरेश सैनी, ह्यूमन राइट्स एंड एंटी करप्शन काउंसिल के चेयरमैन अधिवक्ता शिवकुमार बेडवाल, सचिव अधिवक्ता अजय संभ्रवाल, स्वतंत्रता सेनानी उत्तराधिकारी कल्याण संगठन के प्रधान महेंद्रपाल यादव, सैनी विचार मंच के संगठन

भिवानी। एसडीएम महेश कुमार को ज्ञापन सौंपते विभिन्न संगठनों के पदाधिकारी।

सचिव मुकेश सैनी ने मुख्यमंत्री व शिक्षामंत्री के नाम एसडीएम को ज्ञापन सौंपा। उन्होंने कहा कि निजी स्कूल संचालक अभिभावकों को बच्चों की किताबें और ड्रैस केवल एक या दो दुकानों से ही लेने को मजबूर करते हैं, जबकि कुछ स्कूल अपने परिसर में ही मनमाने दामों पर ये सब बेचते हैं, जिससे अभिभावकों को भारी आर्थिक नुकसान उठाना पड़ता है। निजी स्कूल संचालक बच्चों के पंजीकरण, सुविधा शुल्क व एडमिशन फीस के नाम पर 10 से 15 हजार रुपये वसूलते हैं, जो गलत हैं। संगठनों ने ज्ञापन के माध्यम से सरकार व जिला प्रशासन से मांग की कि स्कूलों को स्पष्ट निर्देश दिए जाएं कि वे अभिभावकों को किताबें व ड्रैस बाजार की किसी भी दुकान से खरीदने की स्वतंत्रता दें, साथ ही जो स्कूल किसी एक दुकान से लेने के लिए बाध्य करते हैं, उन पर सख्त कानूनी कार्रवाई की जाए। संगठनों ने ऐलान किया कि इस मुद्दे को लेकर जनजागरण अभियान शुरू किया जाएगा, जिसमें अभिभावकों को साथ लेकर आमजन को जागरूक किया जाएगा।

ये रहे मौजूद

इस अवसर पर अधिवक्ता विनोद बराड़, अधिवक्ता नरेश भौरिया, अधिवक्ता विजय सूई, जितेंद्र तंवर बापौड़ा, मास्टर सुरेंद्र राहड एवं डॉ. राजेश भिवानी आदि मौजूद रहे।

प्रकृति प्रेमी हैं तो वन सेवा में ऑफिसर अच्छा करियर विकल्प

नॉलेज

यंगभूमि डेस्क

भारतीय वन सेवा का पद भारत की अखिल भारतीय सेवाओं में से एक है। अगर आपका भी सपना है कोई अच्छे पद पर सरकारी जॉब करने का तो आपके लिए आईएफएस एक बढ़िया ऑप्शन हो सकता है। आईएफएस एक ऐसी सरकारी जॉब है जिसमे आप अपना बेहतरीन करियर बना सकते हो। यह लेख पड़ने के बाद आप यह अच्छे से समज सकेंगे कि आईएफएस ऑफिसर कैसे बने और आईएफएस का फुल फोर्म क्या होता है। आईएफएस बनने के लिए क्या क्या योग्यता होनी चाहिए। यह एक ऐसा क्षेत्र है जिसमें आपको काफी मेहनत करनी पड़ेगी। हालांकि यह करियर बनाने का एक बेहतरीन क्षेत्र है।

क्या होता है इंडियन फॉरेस्ट सर्विस

इंडियन फॉरेस्ट सर्विस (आईएफएस) जिसे हिंदी में भारतीय वन सेवा के पद के नाम से जाना जाता है और यह भारत की अखिल भारतीय सेवाओं में से एक है। जैसे कि आईएसएस, आईपीएस और आईएफएस। आईएफएस को 1966 में अखिल भारतीय सेवा अधिनियम 1951 के तहत भारत सरकार द्वारा गठित किया गया। जैसे कि नाम से ही पता चलता है फॉरेस्ट ऑफिसर का काम जंगलों की देखरेख करने से लेकर जंगलों की अवैध कटाई पर रोक लगाने का होता है। अब तो वन विभाग सेक्टर में काफी बदलाव भी आ रहे है जैसे कि इसमें बहुत ज्यादा नौकरियां निकलने लगी है और वन विभाग में अफसर होना कोई छोटी बात नहीं है और इसमें सैलरी पैकेज भी काफी अच्छा रहता है। आईएफएस यानी कि इंडियन फोरेस्ट सर्विस की नियुक्ति एक वन रक्षक के रूप में होती है जिसमे आपको देश की सेवा करने का मौका भी मिलता है। आईएफएस की जॉब में एक शानदार भविष्य की कामना कर सकते है।

जरूरी योग्यताएं

आईएफएस बनने के लिए आपको सबसे पहले इसके एग्जाम की पतैयारी पर पूरा ध्यान देना होगा। अगर आप नहीं जानते है कि आईएफएस की तैयारी कैसे करे तो घबराइए मत हम आपको पूरा प्रोसेस शेयर करेंगे। आईएफएस के पद पर कार्यरत होने के लिए आपको आईएफएस का एग्जाम पास करना जरुरी होता है इसके बाद ही हम इस पद के अधिकारी बन सकते है। आईएफएस के लिए क्या योग्याएं होनी चाहिए चलो जानते है।

ये है आयु योग्यता

अगर आप इंडियन प्रेस ऑफिसर बनना चाहते हैं तो आपकी न्यूनतम आयु सीमा 21 वर्ष और अधिकतम आयु सीमा 30 वर्ष होनी अनिवार्य है। इसके अलावा पिछड़ा वर्ग जैसे ओबीसी , एससी, एसटी और ईडब्ल्यूएस आदि कैंडिडेट के लिए आयु सीमा में छूट का प्रावधान मिलता है।

स्नातक की डिग्री जरूरी

फोरेस्ट विभाग में ऑफिसर बनने के लिए शैक्षिक योगयता में उमीदवार को किसी एक विषय में स्नातक डिग्री होना जरुरी है। जैसे कि गणित, जीव विज्ञान, भौतिक विज्ञान, रसायन विज्ञान, पशु चिकित्सा विज्ञान, पशुपालन इंजीनियरिंग, वानिकी, वनस्पति विज्ञान, कृषि सांख्यिकी अदि में किसी भी सब्जेक्ट में ग्रेजुएट है तो आप फोरेस्ट ऑफिसर बनने के लिए अप्लाई कर सकते हो।

पास करनी होगी परीक्षा

भारतीय वन अधिकारी बनने के लिए आपको तीन चरणों को क्लियर करना होता है जिसके बाद आईएफएस बन सकते हैं।

प्राथमिक परीक्षा, मुख्य परीक्षा, साक्षात्कार

इन तीनों राउंड में से सबसे पहले आपका प्री एग्जाम होता है जो ऑब्जेक्टिव टाईप रहता है और प्री एग्जाम को पास कर लेने के बाद आप मेन्स एग्जाम में बैठने के योग्य होते हैं। और मुख्य परीक्षा आपकी सब्जेक्टिव यानी कि इसमें विस्तार से प्रश्न पूछे जाते हैं। प्री और मेन्स परीक्षा पास कर लेने के बाद आखिर में कैंडिडेट्स को इंटरव्यू के लिए बुलाया जाता है जो के फाइनल स्टेप होता है। इस इंटरव्यू को क्लीयर कर लेने के बाद कैंडिडेट्स को फाइनली ट्रेनिंग के लिए भेजा जाता है।

मुख्य काम

वन विभाग और वन मंत्रालय की जानकारी के लिए जंगल के पेड़ पौधों, जीव जंतुओं से जुड़ा सर्वे करना, कागजी कार्यवाही करना और रिपोर्ट तैयार करना। भेड़, बकरियों व अन्य सभी पालतू जानवरों को वन भूमि पर चरने से रोकना। घायल जीव जंतुओं और पक्षियों को चिकित्सा सहायता देना या उन्हें ऐसे जगह पहुंचाना जहां वे ठीक हो सके और सुरक्षित रहें। जंगल में अधिक से अधिक पेड़-पौधे लगाना ताकि जंगल का विकास हो सके। शिकारियों को शिकार ना करने देना, अवैध रूप से काटी गई लकड़ी या शिकार किए गए जानवरों या जानवरों के अंगों को जब्त करना।

सैलरी

आईएफएस अफसर के बारे सभी जानकारी जानने के बाद अब हमारे मन में आखरी और महत्वपूर्ण सवाल होता है कि आखिर इतनी मेहनत करने के बाद आईएफएस की सैलरी क्या होगी। तो हम आप को बता दें कि आईएफएस अफसर को सैलरी काफी अच्छी मिलती है और उसमे समय समय पर इजाफा भी होता है। आईएफएस के पद में 15600 रु प्रति माह से लेकर 40000 रु प्रति माह वेतन देह होता है और 5400 रु ग्रेड पे भी मिलती है। आईएफएस के पद में कई सारे भत्ते अदि भी मुहैया कराये जाते हैं।

यह पेशा रुतबे के साथ-साथ अच्छा पैसा कमाने का भी देता है मौका

ट्रेंड फोरकास्टर बन बाजार की नीतियों को पहचानें और बनाएं शानदार करियर

डॉ. मोहित बंसल
करियर कोच एवं मोटिवेशनल स्पीकर

उद्योगों के भविष्य को समझने में करता मदद

अगर आप भी एक नए करियर विकल्प को अपनाना चाह रहे हैं तो आपके लिए ट्रेंड फोरकास्टर बनना एक अच्छा करियर विकल्प हो सकता है। इस पेशे में रुतबे के साथ-साथ अच्छा पैसा कमाने का भी मौका मिलता है। अगर आपको बदलते फैशन, बाज़ार की नीतियों, सामाजिक प्रवृत्तियों को समझने और भविष्यवाणी करने में रुचि है, तो ट्रेंड फोरकास्टर एक बेहतरीन करियर विकल्प है। यह पेशा आपको उद्योगों के भविष्य को समझने और नई संभावनाओं को खोजने का अवसर देता है। ट्रेंड फोरकास्टिंग मुख्य रूप से फैशन, टेक्नोलॉजी, बिजनेस, मार्केटिंग और सांस्कृतिक रुझानों का विश्लेषण करके कंपनियों को आने वाले बदलावों के लिए तैयार करने में मदद करता है। ट्रेंड फोरकास्टिंग में गहरी रिसर्च, उपभोक्ताओं के व्यवहार का विश्लेषण, और डिजिटल टूल्स का उपयोग करके भविष्य के ट्रेंड्स को पहचानने की आवश्यकता होती है। यह पेशा न केवल रचनात्मकता और नवाचार को बढ़ावा देता है, बल्कि विभिन्न उद्योगों में कंपनियों की रणनीतियों को भी आकार देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। चाहे वह फैशन डिजाइनर हों, मार्केटिंग टीमें हों, या निवेशक, सभी ट्रेंड फोरकास्टर्स की भविष्यवाणियों पर भरोसा करते हैं ताकि वे प्रतिस्पर्धा में आगे रह सकें।

ट्रेंड फोरकास्टर क्या है

ट्रेंड फोरकास्टर का मुख्य कार्य भविष्य के ट्रेंड्स की पहचान और विश्लेषण करना होता है। वे विभिन्न डेटा, उपभोक्ता व्यवहार, बाजार की स्थितियों और सामाजिक बदलावों का अध्ययन करके आने वाले महीनों या वर्षों में संभावित रुझानों की भविष्यवाणी करते हैं।

तेजी से बढ़ता हुआ करियर

ट्रेंड फोरकास्टिंग एक रोमांचक और तेजी से बढ़ता हुआ करियर है। यदि आपको मार्केटिंग, फैशन, टेक्नोलॉजी और उपभोक्ता व्यवहार की गहरी समझ है और आप नई चीज़ों की भविष्यवाणी करने में रुचि रखते हैं, तो यह क्षेत्र आपके लिए बेहतरीन साबित हो सकता है।

ट्रेंड फोरकास्टिंग के प्रमुख क्षेत्र

- फैशन ट्रेंड फोरकास्टिंग : आगामी कपड़ों की शैलियों, रंगों, और डिज़ाइनों की भविष्यवाणी करना।
- बिजनेस और मार्केटिंग फोरकास्टिंग: उपभोक्ताओं के व्यवहार और खरीदारी के रुझानों को समझना।
- टेक्नोलॉजी ट्रेंड फोरकास्टिंग: नई तकनीकों और डिजिटल परिवर्तनों की भविष्यवाणी करना।
- सांस्कृतिक और सामाजिक ट्रेंड्स: समाज में होने वाले बदलावों और उनकी दिशा को समझना।
- ब्यूटी और लाइफस्टाइल फोरकास्टिंग: स्किनकेयर, मेकअप और हेल्थ से जुड़े रुझानों की पहचान।

वेतन और संभावनाएं

ट्रेंड फोरकास्टिंग में वेतन निजी और सरकारी क्षेत्रों में भिन्न हो सकता है। निजी कंपनियों में, एक शुरुआती ट्रेंड। इसमें अनुभव के आधार पर भी वेतन निर्भर करता है। जितना अच्छा आपका अनुभव होगा उतना ही आप कमाई कर पाएंगे।

फोरकास्टर को 40,000 रुपये से 60,000 रुपये प्रति माह मिल सकता है, जबकि अनुभवी पेशेवरों का वेतन 1,50,000 रुपये से 3,00,000 प्रति माह तक हो सकता है। शीर्ष स्तर के ट्रेंड फोरकास्टर्स को डेलॉयट, बीसीजी, नीलसन, और मैकिन्से जैसी कंपनियों में आकर्षक पैकेज मिलते हैं।

-सरकारी संगठनों जैसे भारतीय कपड़ा मंत्रालय, राष्ट्रीय उत्पादकता परिषद, और भारत सरकार के उपभोक्ता मामलों के विभाग में भी ट्रेंड विश्लेषकों की मांग रहती है, जहां वेतन 50,000 रुपये से 1,20,000 रुपये प्रति माह तक हो सकता है। फ्रीलांस ट्रेंड फोरकास्टर्स भी क्लाइंट-बेस्ड मॉडल पर अच्छी कमाई कर सकते हैं।

शिक्षा और योग्यता

ट्रेंड फोरकास्टर बनने के लिए किसी विशेष डिग्री की आवश्यकता नहीं होती, लेकिन निम्नलिखित विषयों में शिक्षा आपके लिए फायदेमंद हो सकती है

फैशन, टेक्नोलॉजी, बिजनेस, मार्केटिंग और सांस्कृतिक रुझानों का विश्लेषण करना होगा

कंपनियों को आने वाले बदलावों के लिए तैयार करने में करता है मदद

प्रमुख कोर्स और संस्थान

- फैशन डिजाइन और मर्चेंडाइजिंग–नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ फैशन टेक्नोलॉजी (एनआईएफटी), पर्ल अकादमी।
- मार्केटिंग और बिजनेस स्टडीज़–भारतीय प्रबंधन संस्थान (आईआईएम), दिल्ली विश्वविद्यालय।
- मीडिया और कम्युनिकेशन–जामिया मिल्लिया इस्लामिया, एमिटी यूनिवर्सिटी।
- डेटा एनालिटिक्स और सांख्यिकी–इंडियन स्टैटिस्टिकल इंस्टीट्यूट।
- साइकोलॉजी और सोशियोलॉजी–जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय, टाटा इंस्टिट्यूट ऑफ सोशल साइंसेज (टीअरईएसएस)

प्रमुख कौशल

एक सफल ट्रेंड फोरकास्टर बनने के लिए निम्नलिखित कौशल आवश्यक होते हैं।

- बाज़ार और उपभोक्ता व्यवहार की समझ– उपभोक्ता की पसंद और प्रवृत्तियों को समझने की क्षमता।
- डेटा विश्लेषण– सांख्यिकी और एनालिटिक्स टूल्स (एक्सल, पायथन, आर) का ज्ञान।
- क्रिएटिव और आलोचनात्मक सोच–नए रुझानों को पहचानने और उनकी व्याख्या करने की क्षमता।
- डिजिटल मार्केटिंग का ज्ञान– सोशल मीडिया ट्रेंड्स व ऑनलाइन उपभोक्ता व्यवहार का विश्लेषण।
- संचार और प्रस्तुति कौशल– अपनी रिपोर्ट और निष्कर्षों को स्पष्ट रूप से प्रस्तुत करने की क्षमता।

करियर के अवसर

- फैशन कंपनियां– ज़ारा, एचएंडएम, लुई वुइटन, सब्यसाची
- मार्केट रिसर्च फर्म्स – नीलसन, मैकिन्से, बीसीजी
- टेक्नोलॉजी और इनोवेशन कंपनियां– गूगल, माइक्रोसॉफ्ट, ऐप्पल
- सोशल मीडिया और डिजिटल एजेंसियां– ओगिल्वी, डब्ल्यूपीपी ग्रुप
- स्वतंत्र कंसल्टेंसी– कई ट्रेंड फोरकास्टर स्वतंत्र रूप से भी काम करते हैं।

करियर काउंसलर से सलाह लें

किसी भी करियर को चुनने से पहले करियर काउंसलर से सलाह लेना फायदेमंद होता है, ताकि आप अपनी रुचियों और क्षमताओं के अनुसार सही निर्णय ले सकें। अधिक जानकारी के लिए आप www.careerjaano.com पर विजिट कर सकते हैं।

जीवन में सफलता हासिल करने के लिए सही रणनीति की आवश्यकता

मोटिवेशनल

डॉ. राजेश के. पिलानिया
प्रोफेसर, मैनेजमेंट डेवलपमेंट इंस्टीट्यूट, गुरुग्राम

हम जीवन में सफल होने और एक आशाजनक करियर बनाने की आकांक्षा रखते हैं। यह एक अच्छी आकांक्षा है। इसे साकार करने के लिए, किसी को सही रणनीति की आवश्यकता होती है-एक ऐसी रणनीति जो न केवल एक सफल करियर का मार्ग प्रशस्त करे बल्कि यह भी सुनिश्चित करे कि हम इस यात्रा में अपनी सेहत और रिश्तों को बनाए रखें और यात्रा का आनंद लें। यहाँ एक सफल करियर के लिए सात चरणों की रणनीति दी गई है। यदि आप किसी विशेष क्षेत्र में पर्याप्त मात्रा में प्रयास करते हैं, तो किसी दिन आप निश्चित रूप से अपने करियर में सफलता हासिल करेंगे।

काम करने की गहरी इच्छा जरूरी

सवाल यह है, क्या आप वास्तव में वह काम करना चाहते थे? क्या आपके पास उस काम को करने की गहरी इच्छा है? यदि जवाब नहीं है, तो वह विशेष काम आपके लिए नहीं है। यह खोजने की कोशिश करें कि आप वास्तव में क्या करना चाहते हैं; घंटों काम करने के बाद, क्या चीज आपको और काम करने के लिए अधिक उत्साहित करती है?

एक योजना बनाएं : 'सपने देखने वाले' और 'सफलता पाने वाले' के बीच एक पतली रेखा होती है: 'योजनाबद्धता'। योजनाबद्धता एक व्यक्ति के जीवन का सबसे आवश्यक हिस्सा है। हर काम के लिए एक योजना बनाएं जो आप करना चाहते हैं, हर लक्ष्य के लिए जो आप हासिल करना चाहते हैं। लक्ष्य के 'क्यों' और 'क्या' को खोजें और उसी के अनुसार एक अनुशासित योजना बनाएं।

योजना का पालन करें : 'योजनाबद्धता' को सही मार्ग पर लागू करने की इच्छा के साथ पालन करना होगा, जो सफलता की ओर ले जाता है। जब आप एक योजना के साथ काम करते हैं, तो तीव्र परिवर्तन होता है।

अपने संसाधनों को आवंटित करें : हर संसाधन के पहलू का उचित तरीके से उपयोग करना एक बहुत बड़ा अंतर पैदा करता है, क्योंकि समय एक सीमित संसाधन है, और अवसर एक सीमित समय अवधि के साथ आते हैं, इसलिए अपने समय को पुरस्कृत प्रयासों पर लाना संसाधन प्रबंधन का मुख्य हिस्सा है।

कार्य में जीवन संतुलन बनाए रखें

जब आप अपने करियर बनाने के मार्ग पर हों, तो जीवन को नजरअंदाज न करना आवश्यक है। यह महत्वपूर्ण है कि जीना बंद न करें। अपनी योजना और संसाधन आवंटन में, कुछ ब्रेक-टाइम रखें ताकि आप आराम कर सकें, अपनी सेहत का ध्यान रख सकें, और अपने रिश्तों का ध्यान रख सकें। अच्छी सेहत और अच्छे रिश्तों के बिना सफलता खोखली और अर्थहीन है।

नियमित साप्ताहिक और मासिक मूल्यांकन, प्रतिक्रिया और सीख बनाए रखें : अपनी प्रगति पर नज़र रखने से आपको उन बाधाओं के जवाब मिलते हैं, जो आपके लक्ष्यों और उपलब्धियों के बीच आ रही हैं। प्रयासों और निर्णयों का साप्ताहिक और मासिक मूल्यांकन रखना काम के प्रति विचार प्रक्रिया को विस्तार देता है।

इस यात्रा का आनंद लें : एक सफल करियर की यात्रा मांगलिक और चुनौतीपूर्ण होती है। इस प्रक्रिया का आनंद लेना आवश्यक है। यह महत्वपूर्ण है कि असफलताओं को दिल से न लें; इसके बजाय, असफलता से जो सीख मिलती है उसे लें और सुधार करें, और फिर से अपना सर्वश्रेष्ठ प्रयास करें।

लेखक : डॉ. राजेश के. पिलानिया मैनेजमेंट डेवलपमेंट इंस्टीट्यूट, गुरुग्राम में प्रोफेसर हैं। उन्होंने भारत में खुशी पर अग्रणी कार्य किया है और उन्हें भारत के **Happiness** प्रोफेसर और भारत के **Happiness** गुरु के रूप में लोकप्रिय रूप से जाना जाता है। उन्होंने दुनिया भर में लाखों लोगों के साथ खुशी के अंतर्दृष्टि साझा किए हैं।

सामान्य ज्ञान

1. रेडियोधर्मिता की खोज किसने की थी ?
(ए) रदरफोर्ड
(बी) हेनरी वेक्वेरेल
(सी) रोएंटजेन
(डी) आइन्स्टाइन

2. रेडियो सक्रियता किसका गुण है
(ए) इलेक्ट्रॉन का
(बी) प्रोटॉन का
(सी) न्यूट्रॉन का
(डी) नाभिक का

3. रेडियोसक्रिय परिवर्तन में भाग लेता है
(ए) परमाणु के संयोजी इलेक्ट्रॉन
(बी) परमाणु के कोर इलेक्ट्रॉन
(सी) परमाणु के नाभिक
(डी) इनमे से कोई नहीं

4. किसी परमाणु के स्थाई नाभिक में प्रोटॉनो की संख्या होती है
(ए) न्यूट्रॉन की संख्या के बराबर
(बी) न्यूट्रॉन की संख्या से अधिक
(सी) न्यूट्रॉन की संख्या से कम
(डी) इसमे से कोई नहीं

5. रेडियोधर्मिता की यूनिट है
(ए) ऐंग्स्ट्रॉम
(बी) कैंडेला
(सी) फर्मी
(डी) क्युरी

6. रेडियोधर्मी तत्व किसका उत्सर्जन करती है
(ए) पराबैंगनी किरणों का
(बी) α , β तथा γ विकिरण
(सी) रेडियो तरंगे
(डी) अवरक्त तरंगे

7. अल्फा और β किरणों की खोज किसने की थी
(ए) डॉल्टन
(बी) रौंटजन
(सी) रदरफोर्ड
(डी) विलार्ड

8. किस वज्ञानिक ने γ किरणों की खोज की
(ए) विलार्ड ने
(बी) रदरफोर्ड
(सी) रौंटजन
(डी) डॉल्टन

9. निम्न में कौन रेडियोसक्रिय किरण हीलियम नाभिक के समकक्ष होता है
(ए) α किरण
(बी) β किरण
(सी) γ किरण
(डी) इनमे से कोई नहीं

उत्तर 1.(बी) 2.(डी) 3.(सी) 4.(सी) 5.(डी) 6.(बी) 7.(सी) 8.(बी) 9.(ए)

खबर संक्षेप

जहर गिरी आश्रम में चखा प्रसाद

भिवानी। कहते है कि भगवान के घर में अंधेर नहीं है देर हो सकती है। वो किसी न किसी रूप में आकर भगत की मनोकामना को पूर्ण कर ही देते हैं। ऐसा ही एक वाक्य पूर्व प्रदेश महामंत्री संदीप जोशी की धर्मपत्नी फरीदाबाद की महापौर प्रवीण जोशी के साथ हुआ। उन्होंने हालुवास गेट स्थित सिद्धपीठ बाबा जहर गिरी आश्रम में बाबा जहर गिरी से मन्नत मांगी थी, जिसको लखदातार बाबा ने उनकी मन्नत को पूरा किया। उन्होंने इस खुशी पर श्रीमहंत डॉ. अशोक गिरी के सानिध्य में बाबा जहर गिरी दरबार में अपना मत्था टेका व लखदातार जहर गिरी महाराज को चादर चढ़ाकर हवन हवन यज्ञ में पूर्णाहुति दी। मंदिर में सभी उपस्थित जनों के साथ प्रसाद ग्रहण किया। श्रीमहंत डा. अशोक गिरी ने कहा कि यहां पर भी भगत सच्चे दिन से बाबा जहर गिरी से मन की मुराद मांगते हैं तो बाबा की हर मनोकामना पूर्ण करते हैं यह आश्रम सभी की आस्था का केंद्र है।

शिक्षा रथ गांवों में पहुंचकर करेगा जागरूक :डीईओ

बवानीखेड़ा। राजकीय विद्यालयों में छात्र संख्या बढ़ाने के लिए अधिकारियों ने कोई कोर-कसर नहीं छोड़ रखी। इसी को लेकर गुरूग्राम स्थित एससीईआरटी के अधिकारियों के मार्गदर्शन में जिला शिक्षा अधिकारी, खंड शिक्षा अधिकारियों, एपीसी, एबीआरसी, बीआरपी की ऑनलाइन मीटिंग हुई जिसमें राजकीय विद्यालयों में छात्र संख्या बढ़ाने की रणनीति तैयार की गई। विद्यालय मुखिया देंगे अग्रिम विद्यालय में दाखिल करवाने का प्रमाण पत्र ऑनलाइन आयोजित मीटिंग में अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि प्राथमिक विद्यालय मुखिया को 5वीं पास छात्र का 6टी कक्षा में दाखिल राजकीय विद्यालय में करवाकर व 8 कक्षा के मुखिया को 9वीं कक्षा में दाखिला करवाकर प्रमाण पत्र देना होगा की राजकीय विद्यालय में दाखिला करवाकर छात्र संख्या में बढ़ोतरी की गई है। ऑनलाइन मीटिंग में अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि विभाग सख्त है।

पिछले सिलेबस की दोहराई करवाई

रेडिनेस कार्यक्रम में छात्राओं को सिखाए मेहंदी लगाने के टिप्स

■ छात्राओं की बोलने की झिझक खत्म करने के लिए भाषण प्रतियोगिता करवाई

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिवानी

भिवानी। रेडिनेस कार्यक्रम के तहत छात्राओं को मेहंदी लगाना सिखाती छात्रा।

गांव घुसकानी के वीर शहीद कैप्टेन ओपी दलाल राजकीय उच्च विद्यालय में प्रवेश उत्सव के पहले सप्ताह रेडिनेस कार्यक्रम के तहत छात्राओं को पिछले सिलेबस की दोहराई करवाई गई। तो किसी क्लास में छात्राओं की बोलने की झिझक खतम करने के लिए भाषण प्रतियोगिता का भी आयोजन किया गया। गांव की वरिष्ठ छात्रा ने स्कूल में पहुंचकर अन्य छात्राओं को मेहंदी लगाने के तौर व तरीके समझाएं। उन्होंने मेहंदी हाथों पर नहीं बल्कि नोट बुक पर लगा कर पूरी जानकारी दी। छात्राओं को समझाया कि शिक्षा के साथ साथ दैनिक जीवन में प्रयोग होने वाली चीजे भी बनाना सीखे। पूरे स्कूल टाइम में स्कूल में पहुंची छात्रा बेहद उत्साहित थी। शुक्रवार गांव स्थित स्कूल में छात्राएं अन्य दिनों की तरफ स्कूल में पहुंची। सुबह क्लास में छात्राओं की भाषण प्रतियोगिता आयोजित की गई। छात्र व छात्राओं को देशभक्ति के टॉपिक दिए गए। उन पर छात्राओं ने भाषण दिया। इसी तरह किसी क्लास में पिछली क्लास का सिलेबस तो किसी क्लास में मेहंदी लगाने के बारे में विस्तार से जानकारी दी। यहां तक भी बताया गया कि फूल व पत्तियां किस तरह से बनते है।

दाखिले के लिए घर-घर पहुंचे शिक्षक

गांव घुसकानी में शुक्रवार को देखनेलायक नजारा था।स्कूल के सभी शिक्षक बच्चों के दाखिले के लिए गांव में घर घर पहुंच गए। वहीं स्कूल का पीटीआई मास्टर पींकू अपनी स्कूटी लेकर घुमने लगे। जहां पर भी कोई स्कूली बच्चा नजर आया और वह जानबुझकर स्कूल में नहीं आ रहा तो वह उक्त टीचर उस बच्चे को अपनी स्कूटी पर बैठाकर स्कूल में लाए। साथ ही अभिभावकों से आहवान किया वे बच्चो पर नजर रखे कि वे स्कूल जा रहे है या नहीं। सीआरपी की सभी प्रतियोगिता में निर्णायक मंडल की भूमिका अनिल शर्मा हिंदी अध्यापक ,विजेंद्र कंप्यूटर शिक्षक और नवीन ढांडा द्वारा किया गया।

क्या कहते है स्कूल मुखिया

मुख्याध्यापक कृष्ण कुमार ने बच्चों को क्लास रीडीनेस प्रोग्राम, नई शिक्षा नीति 2020 के बारे में बच्चों बच्चों को अवगत करवाया, नई शिक्षा नीति 2020 के तहत बच्चों को बुनियादी साक्षरता और गणना कौशल को मजबूत करना सिखाया जा रहा है इसका पहला चरण 20 जनवरी से 19 अप्रैल 2025 तक चलाया जाएगा शारीरिक शिक्षक विनोद पिंकू के इस कार्य की प्रशंसा करते हुए कहा कि शारीरिक शिक्षक बच्चों के लिए स्कूल में पढ़ाई का वातावरण , खेलो वअन्य गतिविधियों को अच्छी प्रकार से करवा रहे हैं , सरकार की नीति के अनुसार सभी बच्चों का स्कूलों में प्रवेश करना सुनिश्चित कर रहे है। गणित अध्यापिका लक्ष्मी देवी व विज्ञान अध्यापक अनिल शर्मा द्वारा भी बच्चों को जागरूक किया ,बच्चों को समय पर स्कूल आना ,घर जाते ही अपना ग्रह कार्य पूरा करना के बारे में प्रेरित किया। प्रतियोगिता में विजेता विद्यार्थियों को प्रवेश कुमारी ने सम्मानित किया ।

भिवानी। निरीक्षण के दौरान रिकार्ड की जांच करते बीईओ। फोटो : हरिभूमि

बीईओ ने किया कई स्कूलों का निरीक्षण

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिवानी

■ बीईओ ने सरकारी स्कूलों में प्रवेश उत्सव की ली फीडबैक

भिवानी खंड शिक्षा अधिकारी शिवकुमार तंवर ने शुक्रवार को भिवानी ब्लॉक से जुड़े करीब एक दर्जन से अधिक सरकारी शिक्षण संस्थानों का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने विद्यालयों में उपलब्ध सुविधाओं, शिक्षकों की उपस्थिति, विद्यार्थियों की संख्या और शैक्षणिक गुणवत्ता का जायजा लिया। साथ ही उन्होंने 30 अप्रैल तक चलने वाले प्रवेश उत्सव की भी फीडबैक ली और इसे सफल बनाने के लिए शिक्षकों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

बीईओ शिवकुमार ने सुबह-सुबह खंड के कई स्कूलों में औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान कई विद्यालयों में शिक्षकों और छात्रों से बातचीत की। उन्होंने स्कूलों में शैक्षणिक माहौल, स्वच्छता, स्मार्ट क्लासरूम की उपलब्धता और बुनियादी सुविधाओं की स्थिति का भी जायजा लिया। कुछ स्कूलों में पढ़ाई के स्तर में सुधार की जरूरत पाई गई, जिस पर उन्होंने शिक्षकों को अतिरिक्त प्रयास करने की सलाह दी। कुछ स्थान पर जो खामियां पाई गई तो उन्हें सुधार के लिए दिशा निर्देश जारी किया।

पीएम श्री केंद्रीय विद्यालय में शिक्षक-अभिभावक बैठक हुई

■ बैठक में नई शिक्षा नीति के महत्वपूर्ण बिंदुओं पर चर्चा की

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिवानी

पीएम श्री केंद्रीय विद्यालय पालुवास में आज नई शिक्षा नीति पर एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई जिसमें विद्यालय के प्राचार्य श्री मोहिंदर सिंह जी, अभिभावकों और शिक्षकों ने सहभागिता की। इस बैठक में नई शिक्षा नीति 2023 के महत्वपूर्ण बिंदुओं पर चर्चा की गई। विशेष रूप से कक्षा पांचवी और कक्षा आठवीं में पढ़ने वाले बच्चों के माता-पिता को शिक्षा नीति में आए महत्वपूर्ण बदलावों के बारे में सूचित किया गया। सत्र 2025- 26 से नई शिक्षा नीति में कक्षा पांचवी और आठवीं के बच्चों को वांछित स्तर के अनुरूप शिक्षा प्राप्त न कर पाने की स्थिति में दुबारा उसी कक्षा में पढ़ाए जाने का प्रावधान किया गया है, ताकि बच्चे उस स्तर की शिक्षा अच्छी प्रकार से प्राप्त कर सकें और आगे की अपनी शैक्षिक यात्रा को सुचारू रूप से चला सकें। प्राचार्य महोदय ने अपने जानकारी पूर्ण संबोधन में अभिभावकों से यह भी आग्रह किया कि विद्यालय के साथ-साथ अभिभावक भी अपने बच्चे को उचित शिक्षा प्राप्त करने में सहयोग करें ताकि बच्चा जीवन में उन्नति पथ पर निरंतर अग्रसर होता रहे।

पुलिस ने झुग्गियों में चलाया सर्च अभियान

45 लोगों को पूछताछ के लिए हिरासत में लिया

■ पुलिस अधीक्षक ने सर्च अभियान के लिए 6 पुलिस टीम बनाई

हरिभूमि न्यूज ▶▶| चरखी दादरी

झुग्गियों में सर्च अभियान चलाते पुलिसकर्मी। फोटो : हरिभूमि

दादरी पुलिस ने शुक्रवार को कॉलेज रोड पर झुग्गियों में सर्च अभियान चलाकर यहां रहने वाले लोगों के दस्तावेजों की जांच की। पुलिस ने बांग्लादेशी और रोहिंग्या की शिनाख्त की। पुलिस झुग्गियों से 45 लोगों को बस में बैठकर सिटी थाना लेकर गई। थाने में कागजात जांचे जाएंगे। पुलिस अधीक्षक अर्श वर्मा ने सर्च अभियान के लिए 6 पुलिस टीमों का गठन किया। जिसमें 100 से अधिक महिला व पुरुष पुलिस कर्मचारियों को शामिल किया।

शुक्रवार को पुलिस टीम कॉलेज रोड पर झुग्गियों में पहुंची और घंटों तक सर्च अभियान चलाया। पुलिस ने झुग्गियों में रखे सामान और वहां रहने वाले लोगों की जांच की। जिसके बाद 45 संदिग्ध लोगों को बस में बैठकर सिटी थाना ले जाया गया। जहां पर कागजातों की जांच और पूछताछ करेगी। सैंकड़ों झुग्गियों में रहते हैं हजारों लोग शहर में सैकड़ों झुग्गियों में हजारों लोग रहते हैं। ये सभी प्रवासी हैं। पिछले कुछ वर्षों से इनकी संख्या में काफी इजाफा हुआ है। कुछ परिवारों ने तो वोट और राशन कार्ड भी दादरी का बनवा लिया है।

रोहिंग्या और बांग्लादेशी की पहचान की

हेड क्वार्टर डीएसपी धीरज कुमार ने बताया कि पुलिस ने घंटों तक सर्च अभियान चलाया है। इस अभियान का लक्ष्य रोहिंग्या और बांग्लादेशी की पहचान करना है। पुलिस कुछ लोगों को पूछताछ के लिए थाना लेकर आई है। जिनके कागजातों की गहनता से जांच की जाएगी। उन्होंने बताया कि झुग्गियों में रहने वाले हर व्यक्ति की पहचान की जाएगी। अगर कोई भी व्यक्ति अपराध या नशे के कारोबार में संलिप्त मिला तो कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

कला ,नृत्य, संगीत और खेल से निखरती है बच्चों की प्रतिभा: गुप्ता

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिवानी

शुक्रवार को वैश्य इंटरनेशनल विद्यालय में सी आर पी कक्षाओं का सफलतापूर्वक समापन किया गया। इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि वैश्य महाविद्यालय ट्रस्ट के अध्यक्ष शिवरतन गुप्ता रहे । अध्यक्ष ने हरी झंडी दिखाकर आकर्षक गतिविधि घुड़सवारी का शुभारंभ किया। उन्होंने कहा कि इन कक्षाओं का मुख्य उद्देश्य सह शिक्षक गतिविधियों के बारे में व्यापक ज्ञान प्रदान करना व विद्यार्थियों को इन विधाओं में कुशल बनाना है। विद्यार्थियों ने मुख्य अतिथि का तिलक लगाकर व फूल देकर स्वागत किया।

सीआरपी कक्षाओं के अंतर्गत कला ,नृत्य, संगीत, मार्शल आर्ट, योग एवं अंग्रेजी संप्रेषण का आयोजन किया गया। बच्चों ने इन गतिविधियों में बढ़ चढ़कर भाग लिया। प्राचार्य डॉ. करतार सिंह जाखड़ ने अपने भाषण के माध्यम से बताया कि सीआरपी कक्षा का मुख्य उद्देश्य बच्चों का सर्वांगीण विकास करना है। विद्यार्थियों में सीआरपी कक्षाओं के माध्यम से रचनात्मकता बढ़ती है । बच्चों और उनके अभिभावकों ने विद्यालय की इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे कार्यक्रम उनके बच्चों के सर्वांगीण विकास में मददगार साबित होते हैं। वैश्य इंटरनेशनल स्कूल की इस अनूठी पहल से विद्यार्थियों एवं अभिभावकों में नई उर्जा का संचालन हुआ जो उनके मन, मस्तिष्क एवं आत्मा को एकाग्रचित करने में सहायक सिद्ध होगा ।

शिविर आयोजित कर लोगों को किया जाएगा जागरूक

हरिभूमि न्यूज ▶▶| लोहारू

उपमंडल कानूनी सेवाएं समिति लोहारू के द्वारा जिला विधिक सेवाएं प्राधिकरण एवं मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी पवन कुमार के निर्देशानुसार चालू अप्रैल, मई तथा जून माह के दौरान विभिन्न गांवों में कानूनी जागरूकता शिविर आयोजित कर पैनल अधिवक्ताओ द्वारा लोगों को कानूनी रूप से जागरूक किया जाएगा।

उपमंडल कानूनी सेवाएं समिति के अध्यक्ष एवं एसीजे एसडी देवेंद्रसिंह ने बताया कि 11 अप्रैल को ज्योतिबाफुले राजकीय महिला महाविद्यालय लोहारू में राष्ट्रीय सुरक्षित मातृत्व दिवस के अवसर पर कानूनी जागरूकता शिविर लगाया जाएगा। 22 अप्रैल को पंचायत भवन बहल में भूमि दिवस के अवसर पर कानूनी जागरूकता शिविर का आयोजन किया जाएगा। 24 अप्रैल को चौधरी बंसीलाल राजकीय महाविद्यालय में राष्ट्रीय पंचायत की दिवस के अवसर पर लोगों को कानून रूप से जागरूक किया जाएगा। एक मई को पंचायत घर सुखदेव का बास में अंतर्राष्ट्रीय श्रम दिवस के अवसर पर कानूनी जागरूकता शिविर लगाया जाएगा और 11 मई को को पंचायत भवन सूरपुरा कलां में राष्ट्रीय तकनीकी दिवस के अवसर पर कानूनी जागरूकता शिविर का आयोजन होगा। 31 मई को पंचायत घर लाडावास में विश्व तंबाकू निषेध दिवस के अवसर पर लोगों को जागरूक किया जाएगा। उपमंडल विधिक सेवा समिति लोहारू द्वारा व नालसा द्वारा चलाए जा रही विभिन्न योजनाओं के बारे में बताया जाएगा।

गली निर्माण में निम्न सामग्री के प्रयोग को लेकर की शिकायत

■ एमई श्रीभगवान ने मौके पर जाकर निरीक्षण कर वार्डवासियों को संतुष्ट किया

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बवानीखेड़ा

बवानीखेड़ा। गली निर्माण की जांच करते हुए एमई श्रीभगवान।

बवानी खेड़ा के वार्ड 14 में गली निर्माण को लेकर वार्डवासी संतुष्ट दिखाई नहीं दिए और ठेकेदार की कार्यप्रणाली को लेकर नपा सचिव को शिकायत की। वहीं एमई श्रीभगवान ने मौके पर जाकर निरीक्षण कर वार्डवासियों को संतुष्ट किया। वार्डवासियों में कुलदीप, सविता, प्रदीप, कृष्ण, लखन, रमेश, लाली, जोगेन्द्र, आशाराम, विनोद आदि ने बताया कि उनके वार्ड में लगभग 4 किले तक की लंबाई की गली का निर्माण किया जा रहा है। इसमें निम्न स्तर की सामग्री के प्रयोग के साथ साथ कम मात्रा में सामग्री डाली जा रही है। इसका लेवल भी ठीक नहीं किया जा रहा है। उबड़-खाबड़ गली व ठेकेदार की मनमानी से खफा होकर वार्डवासियों का गुस्सा सातवें आसमान पर पहुंच गया और इसकी शिकायत नपा सचिव कार्यालय में पहुंचकर एमई श्रीभगवान को दी और मौका निरीक्षण कर जांच की मांग की। दूसरी तरफ इस बारे में नगर पालिका एमई श्री भगवान ने बताया कि गली के लेवल व निर्माण सामग्री आदि की शिकायत वार्डवासियों ने दी। मौके का निरीक्षण किया गया और ठेकेदार को हिदायत दी गई है कि जो आदेश हैं उसके मुताबिक कार्य किया जाए।

निरीक्षण जल्द घोषित किया जाएगा सीनियर सैकेण्डरी कक्षा का परिणाम

बोर्ड अध्यक्ष ने जिला-भिवानी के अंकन केन्द्र का किया निरीक्षण

सैकेण्डरी के लिए लगभग 7030 अध्यापक किए गए हैं नियुक्त

■ बोर्ड सभी 22 जिलों में करवा रहा है अंकन कार्य

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिवानी

भिवानी। मार्किंग सेंटर का निरीक्षण करते शिक्षा बोर्ड चेयरमैन।

हरियाणा विद्यालय शिक्षा बोर्ड के अध्यक्ष प्रो.(डॉ.) पवन कुमार ने स्वंय जिला-भिवानी के राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, पालवास तथा बोर्ड सचिव डॉ. मुनीश नागपाल, के उडऩदस्ते द्वारा आज जिला रेवाड़ी के विभिन्न अंकन केन्द्रों का औचक निरीक्षण किया व व्यवस्थाओं का जायजा लिया। जहां अंकन कार्य निर्बाध व सुचारू रूप से चल रहा था।

बोर्ड अध्यक्ष ने बताया कि कि सैकेण्डरी व सीनियर सैकेण्डरी (शैक्षिक/मुक्त विद्यालय) वार्षिक परीक्षाओं की उत्तरपुस्तिकाओं के अंकन का कार्य प्रगति पर है। शिक्षा बोर्ड द्वारा सभी 22 जिलों में अंकन कार्य करवाया जा रहा है। प्रदेशभर में सैकेण्डरी (शैक्षिक/मुक्त विद्यालय) की परीक्षा के लिए 78 एवं सीनियर सैकेण्डरी की (शैक्षिक/मुक्त विद्यालय) की परीक्षा के लिए 48 अंकन केन्द्र बनाए हैं। सैकेण्डरी के लिए लगभग 7030 अध्यापक एवं सीनियर सैकेण्डरी 4812 प्राध्यापक अंकन कार्य के लिए नियुक्त किए गए हैं, जो बड़ी तन्मयता, जिम्मेदारी व निष्ठा के साथ अंकन का कार्य कर रहे हैं। उन्होंने बताया कि एक परीक्षक द्वारा प्रतिदिन निर्धारित मानदंड अनुसार 30 उत्तरपुस्तिकाओं की जांच की जानी है। शिक्षा बोर्ड द्वारा प्रदेशभर के कुछ अंकन केन्द्रों पर निरीक्षण करने के लिए पूर्ण समय के लिए ऑब्जर्वर भी नियुक्त किए गए हैं। उन्होंने कहा कि शिक्षा बोर्ड की कौशिश रहेगी कि परीक्षार्थियों के भविष्य को देखते हुए जल्द से जल्द सीनियर सैकेण्डरी का परीक्षा परिणाम घोषित कर दिया जाएगा, ताकि परीक्षार्थी सीनियर सैकेण्डरी परीक्षा उत्तीर्ण उपरान्त समय रहते कॉलेजों व अन्य संस्थान में प्रवेश ले सकें और बच्चों को किसी प्रकार का तनाव महसूस न हो। बोर्ड सचिव डॉ. मुनीश नागपाल ने बताया कि अंकन केन्द्रों के निरीक्षण के लिए गठित किए गए उडऩदस्तों द्वारा अंकन केन्द्रों का औचक निरीक्षण किया जा रहा है। सभी केन्द्रों पर अंकन का कार्य सुचारू रूप से चल रहा हैं, किसी भी केन्द्र पर कोई खामी नहीं पाई। उन्होंने बताया कि बोर्ड अधिकारियों द्वारा अंकन केन्द्रों की निरंतर निगरानी की जा रही है तथा उप-सचिव एवं सहायक सचिव स्तर के अधिकारियों के विशेष उडऩदस्ते द्वारा निरीक्षण भी किया जा रहा है।

वक्फ (संशोधन) विधेयक,प्रगतिशील और बहुत जरूरी सुधार : किरण

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिवानी

राज्यसभा सांसद श्रीमती किरण चौधरी ने कहा कि वक्फ (संशोधन) विधेयक, 2024 एक प्रगतिशील और बहुत जरूरी सुधार है जो देश भर में वक्फ संपत्तियों के प्रबंधन में अधिक पारदर्शिता, दक्षता और समावेशिता लाने का प्रयास करता है। यह विधेयक हम सभी को प्रगति के पथ पर अग्रसर करेगा।

उन्होंने कहा कि यह एक ऐतिहासिक कानून है, उन्होंने सभी सदस्यों से पार्टी लाइन से ऊपर उठकर इसका समर्थन करने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि भारत दुनिया का सबसे बड़ा लोकतंत्र है और यहां संविधान के साथ कानून का एक मजबूत शासन है।

उन्होंने कहा कि वक्फ अधिनियम में संशोधन के पीछे सबसे बड़ा उद्देश्य इसे संविधान के साथ तालमेल में लाना है। इसका उद्देश्य उन गलतियों को दूर करना है जो लंबे समय से चली आ रही हैं। उन्होंने कहा कि यह विधेयक धर्म के बारे में नहीं है, यह प्रगति के बारे में एक कानून है और यह परिवर्तन के बारे में है जिसे समय के साथ तालमेल में होना चाहिए।

उन्होंने कहा कि वक्फ व्यवस्था मुख्य रूप से एक मध्ययुगीन अवधारणा है, जो मुहम्मद गौरी और अन्य जैसे आक्रमणकारियों की नीतियों से उत्पन्न हुई है। अंग्रेजों की फूट डालो और राज करो की नीति को भी एक तरह से ऐसे विचार से बढ़ावा मिला, जिसके तहत औपनिवेशिक प्रशासन ने मुसलमानों को खुश करने की कोशिश की। उन्होंने कहा कि इतिहास गवाह है कि किस तरह सामुदायिक कल्याण के लिए बनाई गई वक्फ संपत्तियों को राजनीतिक हथियार बना दिया गया। दशकों से, कांग्रेस और उसके सहयोगियों ने जरूरतमंदों को लाभ से वंचित करते हुए अतिक्रमण, अवैध पट्टे और गबन की अनुमति दी। भारत में 4.9 लाख एकड़ वक्फ भूमि मौजूद है, फिर भी 70प्रतिशत अप्रयुक्त या अवैध रूप से कब्जे में है (सच्चर समिति, 2006)। अकेले महाराष्ट्र में, 40,000 करोड़ रुपये की वक्फ संपत्तियां अतिक्रमण के अधीन थीं।

यह विधेयक एक ऐतिहासिक सुधार है क्योंकि यह वक्फ संपत्ति के रिकॉर्ड का पूर्ण डिजिटलीकरण करता है। इससे हेरफेर खत्म हो जाएगा, भ्रष्टाचार कम होगा और नागरिकों को सूचना तक वास्तविक समय की पहुंच के साथ सशक्त बनाया जा सकेगा। चौथा, वक्फ बोर्ड में महिलाओं का अधिक प्रतिनिधित्व सुनिश्चित करके और निर्णय लेने में उन्हें उचित आवाज़ देकर यह विधेयक प्रकृति में मुक्तिदायक है ।

शिविर में समस्याओं का हो रहा है समाधान

भिवानी। सीटीएम अनिल कुमार एवं हरियाणा शहरी विकास प्राधिकरण की इओ विजया मलिक ने संयुक्त रूप से शुक्रवार को स्थानीय लघु सचिवालय स्थित डीआरडीए हॉल में आयोजित समाधान शिविर में नागरिकों की समस्याएं सुनी। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि वे नागरिकों की मूलभूत सुविधाएं से संबंधित शिकायतों को हरसंभव प्रयास कर मौके पर ही निपटाना सुनिश्चित करें। उन्होंने पब्लिक हैल्थ व नगर परिषद विभाग के अधिकारियों को विशेष निर्देश दिए कि वे गर्मी के मौसम को देखते हुए पेयजल व सीवरेज व्यवस्था को दुरूस्त की जाए।

सूचना

मैं, जगत सिंह पुत्र प्रहलाद सिंह पुत्र हिरा सिंह निवासी गांव बिसलवास, तहसील लोहारू, जिला भिवानी बयान करता हूं कि मेरा पुत्र मोनू कुमार तथा मेरी पुत्रवधु मोनिका मेरे कहने-सुनने से बाहर हैं। इसलिये मैं इनको अपनी चल-अचल सम्पत्ति से बेदखल करता हूं। इनसे लेन-देन, व्यवहार करने वाला स्वयं जिम्मेवार होगा। मेरी व मेरे परिवार की कोई जिम्मेवारी नहीं होगी।

खबर संक्षेप

भिवानी। मांगों को लेकर आयोजित बैठक में विचार विमर्श करते हुए।

बिजली पेंशनर्स की मासिक बैठक आयोजित

भिवानी। हरियाणा बिजली पैंशनर्ज वेलफेयर एसोसिएशन कि जिला स्तरीय मासिक बैठक नेहरू पार्क में जिला प्रधान बाल मुकंद बापोड़ा की अध्यक्षता में आयोजित हुई। बैठक का संचालन जिला महासचिव आरके चावला ने किया। बैठक में केन्द्रीय परिषद में नवनियुक्त निर्वाचित हुए जगदीश राय शर्मा का फूलमालाओं के साथ स्वागत किया गया। बैठक में उपस्थित बिजली पेंशनर्ज ने रोष जताते हुए कहा कि 26 मार्च को सरकार ने विधेयक पारित किया था जिसमें निर्णय लिया गया कि लाखों केंद्रीय सरकारी पैंशन भोगियों की कड़ी मेहनत से अर्जित पेंशन अधिकारों पर गंभी खतरा मंडरा रहा है जो पैंशन भोगियों के मौलिक अधिकारों पर सुनियोजित हमले से कम नहीं है। रामेश्वर गोलागढ, बीडी भारद्वाज, फतेह सिंह श्योराण, रामअवतार शर्मा, कुलदीप शर्मा, कपूर सिहं ग्रेवाल, लोकेन्द्र, रणबीर कोटिया, जयभगवान शर्मा, कृष्ण कुमार शर्मा, हरनाम, रामकुमार बादल, रणधीर आदि मौजूद रहे।

बच्चों के लिए सर्वांगीण विकास के मेले

तोशाम। एसडीएम डॉ. अशवीर सिंह नैन के कुशल मार्गदर्शन में महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा बच्चों के सर्वांगीण विकास के मेले आयोजित किए गए। जहां प्ले स्कूलों में खेल खेल में बच्चों का बौद्धिक और शारीरिक विकास पर विशेष रूप से जोर दिया गया।

महिला एवं बाल विकास विभाग ने प्ले स्कूल आँगन बाडी केन्द्रों में मेडिनेस मेले लगा कर बच्चों के सर्वांगीण विकास के लिए विभिन्न बौद्धिक गतिविधिया करवाई गई। जिनसे बच्चे की समता का उसकी आयु अनुसार बौद्धिक और शारीरिक सुधार पर जोर दिया जा सके। तोशाम ब्लाक में महिला एवं बाल विकास परियोजना की तरफ से प्ले स्कूल में सरपंच राजेश कुमार ने मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत की। आलमपुर में सरपंच राजेन्द्र श्योरान के कार्यक्रम की अध्यक्षता की गई। महिला एवं बाल विकास विभाग की सुपरवाइजर पंकज ने बताया कि गांव सण्डवा में बच्चों के सर्वांगीण विकास पर जोर दिया गया।

कर्मचारी नेताओं ने जूस पिलाकर कर्मचारियों का अनशन तुड़वाया

रोडवेज कर्मियों की 24 घंटे की भूख हड़ताल खत्म, आंदोलन की चेतावनी

परिचालक, चालक व लिपिक के वेतनमान विसंगति दूर कर ग्रेड पे बढ़ाने व कच्चे कर्मियों को पक्का करने की मांग उठाई।

हरिभूमि न्यूज ⏭ भिवानी

भिवानी। बस स्टैंड पर भूख हड़ताल के दौरान विरोध जताते रोडवेज कर्मचारी। फोटो: हरिभूमि

बस स्टैंड पर हरियाणा रोडवेज कर्मचारी सांझा मोर्चा के बैनर तले भिवानी डिपो के कर्मचारियों ने गत 3 अप्रैल को दोपहर 12 बजे पूर्व में घोषित 24 घंटे भूख हड़ताल की। भूख हड़ताल सांझा मोर्चे में शामिल प्रधान राजकुमार तालू, अनिल फौजी, नरेंद्र सिंह, सचिन कुंडू, अनिल नागर, सुरेंद्र डोडा ढाणी, विजय कुड़ल, कुलदीप सिंह की अध्यक्षता में हुई, जो चार अप्रैल को दोपहर 12 बजे भूख हड़ताल पर बैठे 31 कर्मचारियों को सांझा मोर्चा के वरिष्ठ सदस्य नरेंद्र दिनोद, मुकेश दूहन बल्हम्बा, जयदीप लाठर व दीपक हुड्डा ने जूस पिलाकर संपन्न करवाई। भूख हड़ताल में राज्य सांझा मोर्चा के वरिष्ठ सदस्य नरेंद्र दिनोद, मुकेश दूहन बल्हम्बा, जयदीप लाठर, दीपक हुड्डा, सुधीर अहलावत, अमित तालू, पवन शर्मा, पूर्व नेता राजकुमार दलाल, ईश्वर शर्मा, सोनू प्रजापत, प्रताप सिंह राठौड़, छोटूराम, सुरेंद्र बडेसरा, सोनू लखेरा, बिशनपाल सरोहा, रामकिशन, रोहित धारीवाल, सुरेंद्र मिताथल, जयप्रकाश जेपी, मास्टर जयबीर नाफरिया, गुलशन राणा, प्रदीप दुग्गल, रमेश बडेसरा, ऋषि धनानिया व रमेश बड़सी आदि मुख्य रूप से मौजूद रहे। राज्य सांझा मोर्चा नेताओं ने बताया कि राज्य सरकार द्वारा 23 जून 2023 व 16 जुलाई 2024 की कर्मचारियों की मांगों को जायज मानते हुए अनेक मांगों पर सहमति जताई थी और लागू करने का भरोसा दिया था। बड़े दुःख के साथ बताना पड़ रहा हैं कि मानी गई जायज मांगों के लागू करने के परिपत्र आज तक जारी नहीं किए गए हैं, जिससे कर्मचारियों को आर्थिक नुकसान हो रहा हैं और उनमें सरकार के खिलाफ गहरा रोष हैं, जिसके विरोधस्वरूप राज्य सांझा मोर्चे द्वारा पूरे प्रदेश में घोषित तिथि अनुसार 24 घंटें की भूख हड़ताल कर विरोध जताया जा रहा हैं।

कर्मचारी नेताओं ने सरकार से मांग की कि परिचालक, चालक व लिपिक के वेतनमान की वेतन विसंगति दूर करके ग्रेड पे बढ़ाया जाए, चालक एवं परिचालकों को सीमित ओवर टाइम देने के आदेश पत्र को वापस लिया जाए, चालक एवं परिचालकों को रात्रि ठहराव करने व भुगतना करने के वर्तमान में जारी आदेश को वापस लेते हुए पहले की भांति रात्रि ठहराव देने एवं भुगतान करने की मांग उठाई। इसके साथ ही चालक, परिचालक, निरीक्षक, उपनिरीक्षक, कर्मशाला के कर्मचारियों के देय अर्जित अवकाश कटौती के जारी आदेशों को वापस लिया जाए।

वर्ष 2002 में भर्ती हुए चालकों को नियुक्ति तिथि से पक्का करके पुरानी पेंशन योजना में शामिल करने, वर्ष 2016 में सभी प्रकिया पूर्ण उपरांत भर्ती चालकों को पक्का करने, दादरी डिपो में पार्ट-2 के तहत लगे 52 हेल्परों व एचकेआरएन के तहत लगे सभी कर्मियों को पॉलिसी बनाकर पक्का करने, चालकों के लिए अड्डा इंचार्ज का नया पद सृजित कर प्रमोशन देने, विभाग में जोखिम भरी ड्यूटी करने वाले सभी कर्मियों को जोखिम भत्ता देने, एक्सग्रेसिया नीति में लगाई सभी शर्तो को हटाए जाने की मांग की।

रिक्त पदों पर पक्की भर्ती करने की मांग

कर्मचारी नेताओं ने कहा कि कर्मशाला में वर्षों से खाली पड़े रिक्त पदों पर पक्की भर्ती करने, कर्मशाला में 2018 में लगे ग्रुप डी कर्मचारियों को कॉमन कैडर से अलग कर उन्हें रिक्त तकनीकी पदों पर पदोन्नति देने, एचआरईसी गुड़गांव के कर्मचारियों को हरियाणा रोडवेज का अभिन्न अंग मानकर रोडवेज कर्मचारियों की तरह सभी लाभ देने, विभाग के कर्मचारियों व अधिकारियों को पुलिस कर्मचारियों की भांति एक माह के वेतन के समान बोनस देने, वर्षों से बकाया बोनस का भूगतान शीघ्र करने, एनपीएस स्किम, एक्सग्रेसिया स्कीम के तहत लगे कर्मचारियों को सेवानिवृत्त होने उपरांत सेवानिवृत्त कार्ड बनाने, जीपीएफ स्कीम वाले सेवानिवृत्त कर्मचारियों के पहचान पत्र से नौ फ्री ट्रैवलिंग अंकित शब्द को हटाने की मांग उठाई। उन्होंने सरकार को चेतावनी दी कि सरकार समय रहते कर्मचारियों की मांगों एवं समस्याओं का समाधान करें, अन्यथा रोडवेज कर्मचारी अनिश्चितकालीन हड़ताल जैसे बड़े आंदोलन करने को मजबूर होंगे और उसकी जिम्मेदारी सरकार व प्रशासनिक व्यवस्था होगी।

तोशाम। सरसों की खरीद को लेकर आढ़तियों को दिशा निर्देश देते एसडीएम।

अधिकारी व आढ़ती, किसानों से तालमेल करके करें सरसों खरीद

- 30 तक होगी सरसों की खरीद
- एसडीएम डॉ नैन ने दिए अधिकारियों को आवश्यक निर्देश
- सरसों साफ सुथरी हो तो उसकी तुरंत करें खरीद

हरिभूमि न्यूज ⏭ तोशाम

एसडीएम डॉ अशवीर सिंह नैन ने कहा कि अधिकारी व आढ़ती, किसानों के साथ तालमेल करके सरसों की बेहतर खरीद करें। उन्होंने कहा कि 30 अप्रैल तक सरसों की खरीद की जाएगी। एसडीएम डॉ नैन ने आज शुक्रवार को अनाज मंडी में पहुंच कर सरसों की खरीद का जायजा लिया। जहां उन्होंने अधिकारियों को आवश्यक निर्देश देते हुए कहा कि सरकारी आदेशों की पालना पूर्णतः सुनिश्चित करें। सरसों की खरीद व्यवस्था को लेकर एसडीएम डॉ अशवीर नैन ने अनाज मंडी में आढतियो और किसानों के साथ बातचीत करके सरसों खरीद की बारिकी से जानकारी ली।

45611 किवंटल सरसों की खरीद की गई

कृषि विपणन बोर्ड की सेक्रेटरी सुदेश श्योराण ने बताया कि शुक्रवार को समाचार लिखे जाने तक 111545 किवंटल सरसों पहुंची है। जबकि 45611 किवंटल सरसों की खरीद की गई है और 32800 किवंटल सरसों का उठान भी कर लिया गया है। उन्होंने आगे बताया कि सरकार द्वारा निर्धारित सरसों का 5950 रूपये प्रति क्विंटल सरकारी रेट से खरीद की जा रही है। कोई भी किसान आकर अपनी फसल मंडी में टोकन कटवाकर बेच सकता है।

एसडीएम ने किसानों एवं आढ़तियों की समस्याओं से सम्बंधित अधिकारियों को समाधान के सम्बन्ध में तुरंत निर्देश दिए कि मंडी में फसल बिक्री में कोई समस्या आड़े नहीं आनी चाहिए। एसडीएम ने खरीद एजेन्सी के अधिकारियों को दिशा-निर्देश देते हुए कहा कि जो सरसों की ढेरी साफ सूथरी हो। उसकी तुरंत बोली लगाकर खरीद करना सुनिश्चित करें।

हलवासिया विद्या विहार में यज्ञ के माध्यम से हुआ नए सत्र का आगाज़

हरिभूमि न्यूज ⏭ भिवानी

भिवानी। हवन यज्ञ के बाद नए शैक्षणिक सत्र का शुभारंभ करवाते हुए।

हलवासिया विद्या विहार में अभिमन्यु सदन की देख-रेख में वैदिक मंत्रोच्चारण और यज्ञ के साथ नए शैक्षणिक सत्र का शुभारंभ हुआ।छात्रों का बैंड-बाजे, पुष्पवर्षा द्वारा स्वागत किया गया।माध्यमिक विभाग प्रमुख सुवीरा गर्ग द्वारा नव प्रवेश लेने वाले छात्रों को तिलक लगाया गया। प्राचार्य विमलेश आर्य ने विद्यार्थियों को नव-सत्र की शुभकामनाएँ देते हुए वैदिक मंत्रों से यज्ञ का शुभारंभ किया। विद्यार्थियों व शिक्षकों ने आहुतियाँ डालकर मंत्रोच्चारण से नए सत्र की शुरुआत की। प्राचार्य विमलेश आर्य ने यज्ञ की महत्ता पर प्रकाश डालते हुए कहा कि यज्ञ मनोकामनाओं को सिद्ध करने वाला होता है तथा प्रभु के सामीप्य की अनुभूति कराता है। विद्यालय प्रशासक डॉ. शमशेर सिंह अहलावत ने भी सभी को नव सत्र की शुभकामनाएं दी। छात्रों को मेहनत व समर्पण के साथ पढ़ने तथा साथ ही सभी सहपाठ्य गतिविधियों में भाग लेने हेतु प्रेरित किया। विभाग प्रमुख अलेक्जेंडर दास, अमरेंद्र कुमार,सुवीरा गर्ग व समस्त स्टाफ उपस्थित रहा।

चौ. बंसीलाल कॉलेज में सड़क सुरक्षा जागरूकता पर संगोष्ठी

लोहारू। चौ. बंसीलाल राजकीय महाविद्यालय शुक्रवार को प्राचार्य डॉ मुकेश कुमार चहल की अध्यक्षता में रोड सेफ्टी प्रकोष्ठ के तत्वावधान में विस्तार व्याख्यान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। सुडक़ सुरक्षा जागरूकता विषय पर आयोजित इस कार्यक्रम में ट्रेफिक इंचार्ज एसआई सीताराम ने युवाओं को वाहन चलाते समय बरती जाने वाली सावधानियों और आवश्यक दस्तावेजों की जानकारी दी। एसआई सीताराम ने बताया कि कोई भी वाहन चलाने से पहले व्यक्ति के लाइसेंस होना जरूरी है। वाहन को निर्धारित गति में चलाने के साथ आवश्यक निर्देशों का पालना करनी चाहिए। दुपहिया वाहन चलाते समय हेलमेट जरूर लगाएं।

विभिन्न शक्तियों का प्रतीक है नवरात्रि पर शिवशक्ति पूजन

- आत्मा अविनाशी और शरीर विनाशी हैं: रजनी

हरिभूमि न्यूज ⏭ भिवानी

भिवानी। नवदुर्गा पूजन करती बीके रजनी व अन्य। फोटो: हरिभूमि

पूरे भारतवर्ष में नवरात्रि का शुभ पर्व चैत्र मास के प्रारंभ से ही मनाया जा रहा है, वहीं प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय दिव्य भवन रुद्रा कॉलोनी में इस पावन पर्व पर अखंड ज्योति जगाई और अखंड राजयोग का अभ्यास किया। शाखा संचालिका बीके रजनी दीदी ने अखंड ज्योति का महत्व बताते हुए कहा कि आत्मा भी अविनाशी अमर अखंड है और परमात्मा भी अविनाशी और अखंड है जो गीत गाया जाता है, ज्योत से ज्योत जगाते चलो और इसलिए जो मंदिरों में अखंड ज्योत जलाई जाती है। उन्होंने कहा कि आत्मा अविनाशी और शरीर विनाशी है, उसके अंदर जब ज्ञान का घी डलता है तो आत्मा की शक्तियां बढ़ती जाती है। उसी का यादगार शिव शक्तियों की रूप में नवरात्रि मनाया जाता है। नौ दिन अलग-अलग देवियों के पूजन का आध्यात्मिक रहस्य स्पष्ट करते हुए कहा कि जब कलयुग अंत और सतयुग शुरुआत में परमपिता परमात्मा शिव इस धरा पर अवतरण के समय आत्मा रूपी शक्ति उस परमेश्वर शिव की याद से अपने में भिन्न भिन्न शक्तियां जैसे सहनशक्ति, समाने की शक्ति, सामना करने की शक्ति, परखने की शक्ति, निर्णय करने की शक्ति, समेटने की शक्ति शिव शक्तियों का गायन धूमधाम से होता है।

दुर्गा सप्तमी पर भक्तों ने हवन में डाली आहुति

तोशाम। शुक्रवार को नवरात्रि के अवसर पर दुर्गा सप्तमी की संध्या के मौके पर तोशाम के प्राचीन छपारिया हनुमान मंदिर में पंडित रामकिशन महाराज के सानिध्य में हवन-यज्ञ का आयोजन किया गया। इस दौरान मौजूद माता रानी के भक्तों ने माता की पूजा-अर्चना की तथा हवन-यज्ञ में आहुति देकर धर्म लाभ उठाया। यह जानकारी देते हुए पंडित रामकिशन महाराज ने बताया कि प्रत्येक नवरात्रि के अवसर पर मंदिर परिसर में अखंड ज्योति के साथ निरंतर 9 दिन तक दुर्गा सप्तशती का पाठ होता है। वहीं दुर्गा सप्तमी के अवसर पर संध्या के समय माता रानी के अनेक भक्तों की उपस्थिति में हवन यज्ञ आयोजित किया जाता है। इसी कड़ी में अबकी बार भी नवरात्रि की सप्तमी के अवसर पर मंदिर परिसर में माता रानी की पूजा-अर्चना के साथ हवन-यज्ञ किया गया है। ज्योतिष आचार्य कुंज बिहारी शास्त्री, प्रदीप पंघाल, विककी पूनिया झूलली, विपिन गोयल, शकुंतला मित्तल, आशा बंसल, राखी बंसल, सरिता मित्तल, नीलम कालीरामना, सुषमा मोगिया, संजू गर्ग, कमलेश बंसल, शीला कक्कड़, सरिता बंसल, सुशील गर्ग, पिंकी सोनी आदि मौजूद रहे।

हरिभूमि
आवश्यक सूचना
जिन पाठकों को अखबार मिलने में किसी भी प्रकार की असुविधा हो रही हो या उनके घर में कोई अन्य अखबार दिया जा रहा हो वह इन टेलीफोन नम्बरों पर सम्पर्क करें या व्हाट्सअप करें :-
हरिभूमि, शॉप नं. 47, इम्प्रूवमेंट ट्रस्ट मार्केट, भिवानी
फोन नं. : 8295157800, 8814999151, 9253681005

मृत्यु अंत नहीं है
मृत्यु कभी भी अंत नहीं हो सकती
मृत्यु एक पथ है, जीवन एक यात्रा है
आत्मा पथ प्रदर्शक है।

हरिभूमि
राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक
इस शोकाकुल समय में हम आपके सहभागी हैं।
तेरहवीं/श्रद्धान्जलि/शोक संदेश
आप अर्पित कीजिये अपने श्रद्धा-सुमन हरिभूमि के माध्यम से

साईज	संस्करण	विशेष छूट राशि
5 X 8 सें.मी 10X 8 सें.मी	स्थानीय संस्करण के अन्दर के पृष्ठ पर	रु. 2000/- रु. 2500/-

+5% GST Extra
नोट : विशेष छूट राशि केवल उपरोक्त साईज़ पर मान्य। अन्य किसी साईज़ के लिए कार्ड रेट लागू।
अधिक जानकारी के लिए सम्पर्क करें
भिवानी : हरिभूमि, शॉप नं. 47, इम्प्रूवमेंट ट्रस्ट मार्केट, भिवानी
फोन : 8814999170, दादरी : 9253681008

अवैध कालोनियां विकसित नहीं होने दी जाएं: डीसी

भिवानी। उपायुक्त महावीर कौशिक की अध्यक्षता में लघु सचिवालय स्थित डीआरडीए हॉल में जिला में अवैध कालोनी और अवैध निर्माण पर रोकथाम को लेकर जिला टास्क फोर्स की मासिक बैठक में आयोजित हुई। बैठक में डीसी ने जिला नगर योजनाकार विभाग से उनके अधिकार क्षेत्र में भवन निर्माण कार्यों की विस्तार से समीक्षा की। डीसी ने नगर योजनाकार विभाग के अधिकारियों को अवैध निर्माणों एवं कॉलोनियों की रोकथाम के लिए जरूरी निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि शहर में कहीं भी अवैध कालोनी विकसित ना होने दें यदि कोई ऐसा करता है तो उनके खिलाफ मुकदमा दर्ज करवाया जाए।

विद्यार्थी मानव का मनाया जन्मदिन

- ईंट भट्ठों पर शिक्षा से वंचित बच्चों को सरकारी स्कूल में किया जाएगा दाखिल: नाफरिया

हरिभूमि न्यूज ⏭ भिवानी/बहल

भिवानी। राजकीय माध्यमिक विद्यालय नांगल में विद्यार्थी मानव का केक कटवाते शिक्षक व बच्चें। फोटो: हरिभूमि

शुक्रवार को राजकीय माध्यमिक विद्यालय नांगल ब्लॉक बहल में 8वीं कक्षा के छात्र मानव का चौदहवां जन्मदिन हर्षोल्लास से मनाकर प्रवेशोत्सव का शुभारंभ किया। इस अवसर पर सभी बच्चों एवं अध्यापकों ने मिलकर छात्र मानव का जन्मदिन केक कटवाया। मुख्य अध्यापक जयबीर नाफरिया ने बताया कि अबकी बार उन्होंने बच्चों के दाखिला बढ़ाने के लिए पूरा प्रयास किया हुआ है तथा वे गांव के नजदीक भट्ठों पर मजदूरों के बच्चों के दाखिले के लिए हरसंभव प्रयास कर रहे हैं, ताकि सरकारी स्कूल में बच्चों की संख्या में बढ़ोतरी हो और वंचित बच्चों को शिक्षा मिल सकें। उन्होंने कहा कि अबकी बार उनका लक्ष्य छात्रों की संख्या को दोगुणा करना है और इसके लिए उन्होंने युद्धस्तर पर अभियान छेड़ा हुआ है। कार्यक्रम में विद्यालय के अध्यापक विजय सिंह, प्रदीप कुमार, अनिता कुमारी, जगदीश कुमार, लज्जेसिंह, कर्मचारी कृष्ण कुमार, महताब सिंह, कमलेश कुमारी एवं सभी छात्र मौजूद रहे।

छह अधिवक्ताओं का दल करेगा ताशकंद का भ्रमण

हरिभूमि न्यूज ⏭ भिवानी

- सांस्कृतिक आदान-प्रदान के लिए महत्वपूर्ण साबित होगी अधिवक्ताओं की यात्रा: गुलिया

अधिवक्ता मुकेश गुलिया।

आगामी 9 से 13 अप्रैल तक भिवानी से छह अधिवक्ताओं का दल ताशकंद की यात्रा के लिए रवाना होगा, जहां वे भारत के पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री की स्मृति स्मारक के दर्शन करेंगे। यात्रा भारतीय इतिहास और कानूनी क्षेत्र से जुड़े लोगों के लिए महत्वपूर्ण सांस्कृतिक एवं प्रेरणादायक पहल होगी। अधिवक्ता मुकेश गुलिया ने बताया कि अधिवक्ताओं के दल में उनके अलावा महिपाल सिंह तंवर, रविंद्र पापोसा, अमित ढुल, वीरेंद्र दुहन व जोगेंद्र पंवार मौजूद रहेंगे। प्राथमिकता पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री के स्मारक पर माल्यार्पण कर अपने सफर को आगे बढ़ाने की होगी। देश के प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री की मृत्यु वर्ष 1966 में ताशकंद में दिल का दौरा पड़ने से हो गई थी, तभी से उनका स्मारक ताशकंद में बना हुआ है। वे बोटेनिकल गार्डन, ताशकंद टावर, ओपेरा हाउस, कला संग्रहालय, रेलवे म्यूजियम, जैपनीज गार्डन आदि स्थानों पर भ्रमण करेंगे।

खामियां पाए जाने पर तुरंत सुधारीकरण के दिए आदेश

सीएमओ ने किया नागरिक अस्पताल का औचक निरीक्षण

- सीएमओ बोले-बोर्ड पर अंकित हो दवा व टेस्टों के नाम, कर्मचारियों की ड्यूटी के लिए नाम भी हों बोर्ड पर अंकित

दीपक कुमार डुमड़ा ⏭ बवानीखेड़ा

बवानीखेड़ा। सामान्य अस्पताल का निरीक्षण करते हुए। फोटो: हरिभूमि

भिवानी के सीएमओ रघुबीर शांडिल्य ने बवानी खेड़ा के नागरिक अस्पताल का औचक निरीक्षण किया। अधिकारी ने अस्पताल के पुराने भवन से लेकर शौचालय, लैब, एक्सरे आदि की जांच की। कमियां पाए जाने पर एसएमओ को तुरंत प्रभाव से दुरूस्त करवाने के निर्देश दिए। अधिकारी ने बताया कि सभी दवाइयां व टेस्टों की जानकारी अस्पताल में बोर्ड पर अंकित होनी चाहिए। वहीं शहरवासियों ने बताया कि विधायक कपूर वाल्मीकि के बनने पश्चात अधिकारी उनके शहर की सुध लेने लगे हैं। अब उन्हें लगने लगा है कि अच्छे दिन आ रहे हैं।

पुरानी बिल्डिंग में सरियों के दिखने पर गुस्सा

बवानी खेड़ा नागरिक अस्पताल में पुराने भवन में छत से निकले सरियों व छत से गिर रहे सीमेंट की पापड़ी को देखकर सीएमओ गुस्सा दिखाई दिए। उन्होंने बताया कि स्थानीय अधिकारी को इसकी कम खर्च पर मरम्मत करवाकर डेंट पेंट करवाना चाहिए। ताकि इसका रखरखाव सही तरीके से हो सके। जितने नए भवन का निर्माण नहीं होता, पुराने भवन की मरम्मत से इसे सही रखा जाए।

कांग्रेस घास व गंदगी से बढ़ती हैं बीमारियां

सीएमओ ने बताया कि अस्पताल में कांग्रेस घास व गंदगी से बीमारियों के बढ़ने का भय बना रहता है इसलिए इसे समय समय पर कटवाकर या दवा का छिड़काव करवाकर जड़ से समाप्त करने का काम किया जाए। वहीं सफाई व्यवस्था को चुकाचक किया जाए।

सीएमओ बोली कमियों का करेंगे सुधार

सीएमओ के निर्देश पर एसएमओ ज्योति कपूर ने बताया कि जो कमियां अधिकारी द्वारा बताई गई हैं उनका सुधार किया जाएगा। वहीं उन्होंने बताया कि टेस्ट, दवाइयों, स्टाफ की जानकारी को भी बोर्ड पर अंकित करवाया जाएगा। ताकि मरीजों व अन्य को दिक्कतों का सामना ना करना पड़े।

665 प्रकार की दवा व 111 प्रकार के टेस्ट जरूरी

बवानी खेड़ा सिविल अस्पताल में निरीक्षण के दौरान सीएमओ ने बताया कि सूचना पटटा पर अस्पताल में 665 दवाइयों व 111 प्रकार के टेस्टों की सूची अंकित होनी चाहिए ताकि सरकार व विभाग द्वारा दी जाने वाली सुविधाओं बारे जनता के जानकारी मिल सके। वहीं कौन कर्मचारी व अधिकारी किस कमरें में किस स्थान पर बैठेगा उसकी भी जानकारी मिल सके। अधिकारी ने चेताया कि यदि जल्द ही सभी प्रक्रियाओं को अमलीजामा नहीं पहनाया गया तो कार्यवाही की जाएगी।